University of Mumbai

No. UG/ 74 of 2019-20

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the affiliated Colleges, the Head of the University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty.

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 9th April, 2019 have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 15th April, 2019 **vide** item No. 4.28 and that in accordance therewith, the revised syllabus of Ph.D. course work in Hindi, has been brought into force with effect from the academic year 2019-20, accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

MUMBAI – 400 032
27th August, 2019

To

The Principals of the affiliated Colleges, the Head of the University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C./4.28/15/04/2019

****

No. UG/ 74 -A of 2019-20 MUMBAI-400 032 27th August, 2019

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The I/c Dean, Faculty of Humanities Faculty,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Director, Board of Students Development,
5) The Co-ordinator, University Computerization Centre,
6) The Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning (IDOL),

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus

And

Pattern of

Ph.D. HINDI COURSE WORK

(With effect from the Academic Year : 2019-2020)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of

Ph.D. HINDI COURSE WORK

(With effect from the Academic Year : 2019-2020)

हिन्दी अध्ययन मण्डल

हिन्दी अध्ययन मंडल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल सिंह

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय (सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी (सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल (सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले (सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान (सदस्य)

पाठ्यक्रम समिति

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (समन्वयक)

2. डॉ. सतीश पाण्डेय (सदस्य)
3. डॉ. मिथिलेश शर्मा (सदस्य)
4. डॉ. बलकवि सुरंजे (सदस्य)
5. डॉ. संजीव दुबे (सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

प्रस्तावना-

उच्चशिक्षा के सोपानों में पीएच. डी. एक शोधोपाधि है, जिसके लिए अनुसंधान के क्षेत्र से गुज़रते हुए प्रामाणिक-तटस्थता, वैज्ञानिक-दृष्टि सम्पन्न अनुसंधान प्रविधि का सहारा लेते हुए तथ्य संकलन के द्वारा अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ा जाता है। परंतु इस दिशा में अग्रसर होने के लिए जिस गुणवत्ता, परिकल्पना और शोध प्रवृति की आवश्यकता होती है; उसकी प्रतिपूर्ति हेतु शोधार्थी को एक पथ पर चलना अनिवार्य माना जाता है। शोधार्थी के लिए यह पथ कोर्सवर्क के रूप में निर्धारित किया गया है। शोधार्थी इस मार्ग से होकर ही इस दिशा में अपने लक्ष्य को सहजता से साध सकता है। उसे शोध संबंधी पूर्व परिकल्पना से लेकर शोध के अंतिम पड़ाव तक का ज्ञान इस कोर्स के माध्यम से ही प्रदान किया जाएगा।

उद्देश्य-

१. अनुसंधान की प्रक्रिया से परिचित कराना।
२. शोध की नयी दिशाओं का ज्ञान कराना।
३. वैश्वीकरण के दौर में हिंदी भाषा के बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में शोध की नयी चुनौतियों का परिचय देना।
४. शोध के क्षेत्र में नयी तकनीक और कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग का ज्ञान देना।
५. शोध और समीक्षा के बदलते संदर्भों और मानकों का बोध कराना।

मूल्यांकन एवं पाठ्यक्रम – प्रारूप

अवधि- छ: माह (Duration : 6 Months) **श्रेयांक = १२**

व्याख्यान- प्रत्येक प्रश्न पत्र हेतु 48 (Lectures)

लिखित परीक्षा अवधि - 2 घंटे **कुल अंक = १००**

१. शोध और अनुसंधान प्रविधि पर पाठ्यक्रम आधारित लिखित परीक्षा – ५० अंक – ०४ श्रेयांक
२. शोध पत्र – दो – चयनित शोध विषय पर आधारित अभिपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य विषय पर -२५ अंक – ०४ श्रेयांक
३. स्तरीय शोध एक समीक्षा ग्रंथ का मूल्यांकन (न्यूनतम १५ पृष्ठ) – १३ अंक – ०२ श्रेयांक
४. मौखिक परीक्षा (viva-voce) – अनुसंधान – सिद्धांत और शोध विषय पर आधारित – १२ अंक – ०२ श्रेयांक

पीएच. डी. कोर्सवर्क पाठ्यक्रम

अवधि : ६ महीने **श्रेयांक : १२**

प्रत्येक व्याख्यान १ घंटा, कुल ४८ व्याख्यान

इकाई १ : **श्रेयांक : ०१**

१. अनुसंधान का स्वरूप और महत्त्व
२. अनुसंधान के मूल तत्त्व
३. अनुसंधान के गुण / अर्हताएँ

इकाई २ : **श्रेयांक : ०१**

४. अनुसंधान के प्रकार (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, गुणात्मक एवं परिमाणात्मक)
५. अनुसंधान और साहित्यानुसंधान : साम्य-वैषम्य
६. अनुसंधान और आलोचना

इकाई ३ : **श्रेयांक : ०१**

७. अनुसंधान – प्रविधि एवं प्रक्रिया

अनुसंधान प्रविधि – ऐतिहासिक, साहित्य शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय तथा भाषा शास्त्रीय प्रविधियाँ

अनुसंधान की प्रक्रिया :

१. विषय – चयन
२. अनुसंधान की समस्या
३. पूर्ववर्ती संबंधित शोधकार्य का पुनरीक्षण
४. अनुसंधान की रूपरेखा
५. स्रोत एवं सामग्री – संकलन : पुस्तक, पत्र-पत्रिका, डिजिटल सामग्री
६. कम्प्यूटर का भाषिक अनुप्रयोग
७. प्रश्नावली निर्माण
८. साक्षात्कार
९. सामग्री का विवेचन-विश्लेषण

इकाई ४ : **श्रेयांक : ०१**

शोध – प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण :

१. शोध प्रबंध की रूपरेखा
२. शीर्ष पृष्ठ
३. प्रस्तावना
४. अध्याय – विभाजन (शीर्षक, उप शीर्षक)
५. (अध्यायों के अंतर्गत भूमिका, विषय – विवेचन, विश्लेषण तथा उपसंहार अपेक्षित है)
६. पाद टिप्पणी
७. परिशिष्ट
८. संदर्भ सूची (आधार ग्रंथ, सहायक ग्रंथ, पत्र-पत्रिकाएँ, शब्दकोश, वेबसाईट)

****